Baba’s Praise

16/3/2015

- सिर्फ कह देते भक्ति से भगवान मिलेगा इसलिए अनेक प्रकार की भक्ति करते आते हैं। यह भी खुद समझते हैं कि परम्परा से हम भक्ति करते आये हैं। एक दिन भगवान जरूर मिलेगा। कोई न कोई रूप में भगवान मिलेगा। क्या करेंगे? जरूर सदगति करेंगे क्योंकि वह है ही सर्व का सदगति दाता।

- महिमा भल किस्म-किस्म की गाते हैं, कहते हैं भगवान पतित-पावन है, ज्ञान का सागर है। ज्ञान से ही सदगति होती है।

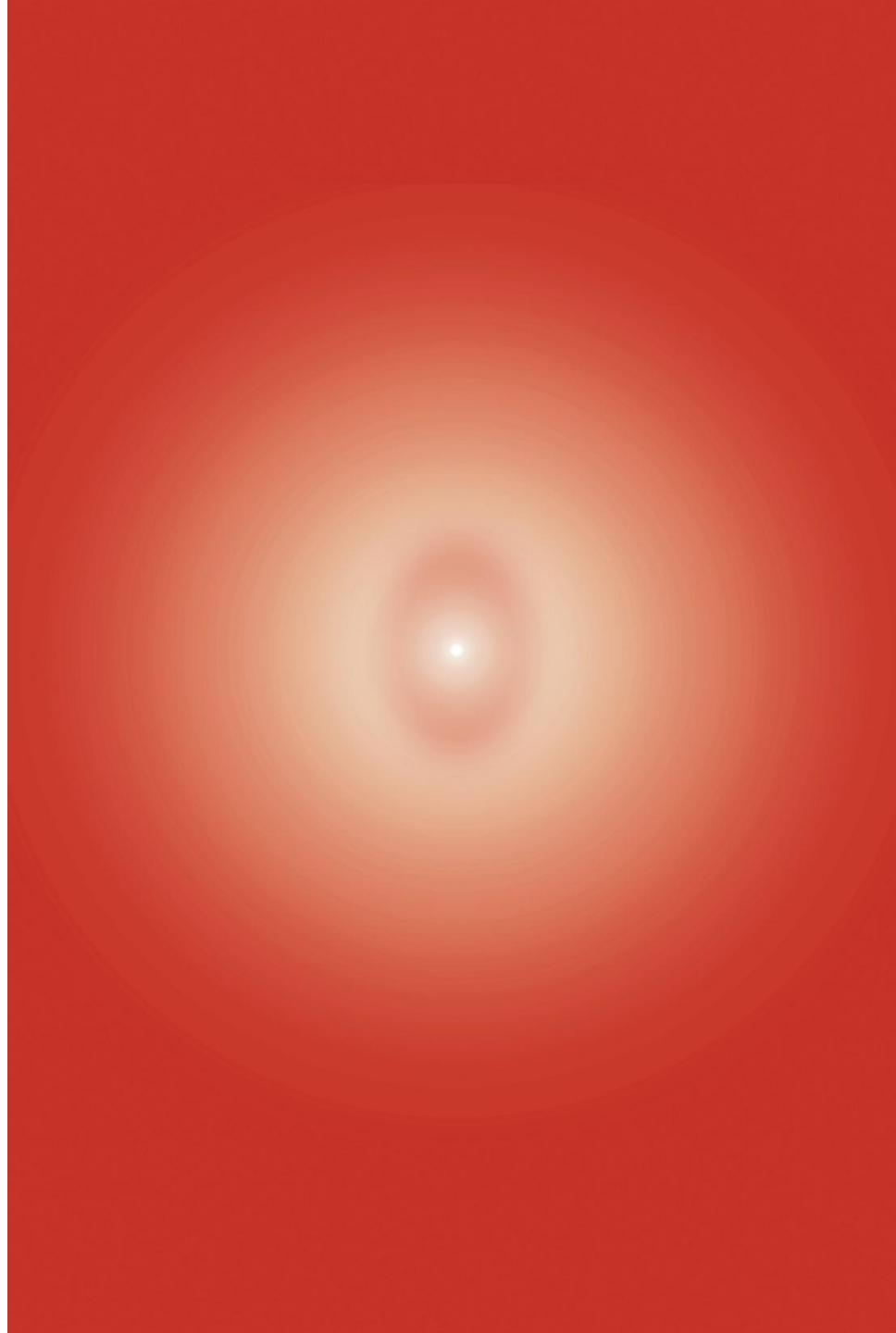

- परन्तु चक्र कैसे फिरता है यह नहीं जानते। न चक्र को जानते, न ईश्वर को जानते। भगवान को फादर भी कहते हैं तो बुद्धि में आना चाहिए ना। लौकिक फादर भी तो है फिर हम उनको याद करते हैं तो दो फादर हो गये-लौकिक और पारलौकिक। उस पारलौकिक बाप से मिलने के लिए इतनी भक्ति करते हैं।

- तुम सबको सुनाते हो कि स्वर्ग की स्थापना करने भगवान आया हुआ है

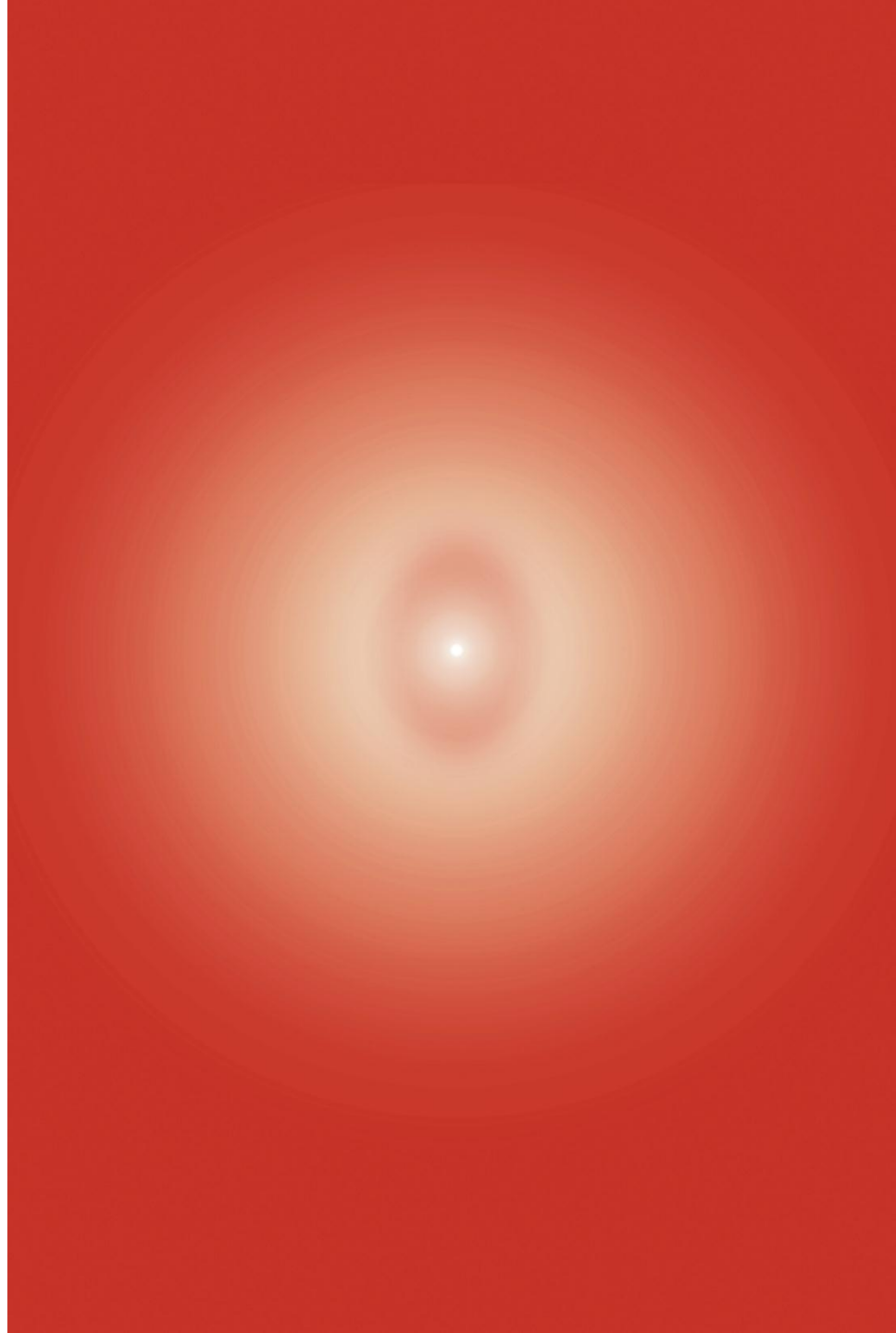

- उनका नाम फिर रखा गया है। तुमको कहते हैं सालिग्राम और बाप को कहते हैं शिव। तुम बच्चों का नाम शरीर पर पड़ता है। बाप तो है ही परम आत्मा।

- वह परम आत्मा है सभी आत्माओं का पिता। इनको फिर अलौकिक वन्डरफुल बाप कहा जाता है। कितने ढेर बच्चे हैं।

- भक्ति मार्ग में तुम याद करते हो तुम मात-पिता..... अभी तुमको मात-पिता मिला है, तुमको एडाप्ट किया है।

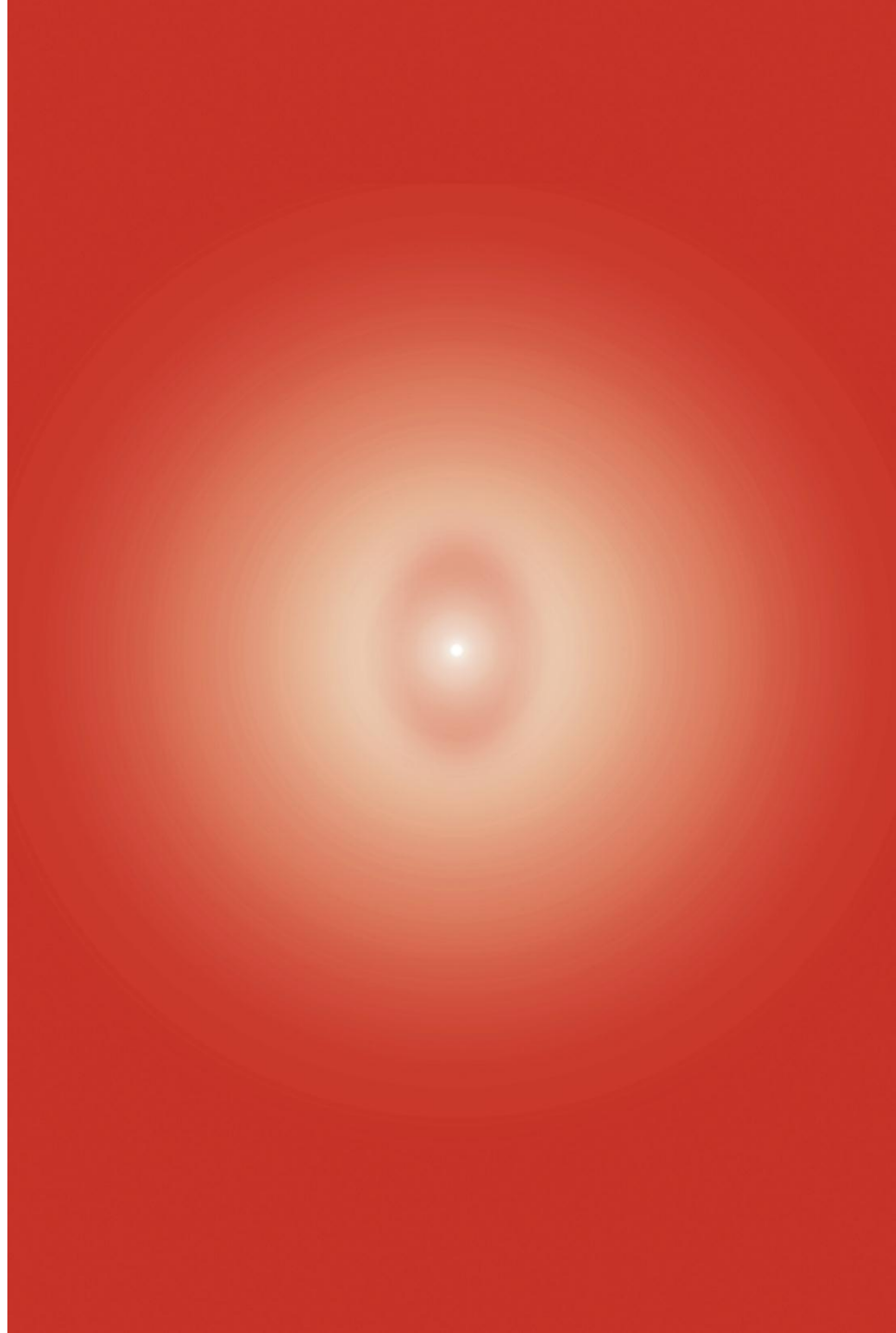

- उनको ऊंच ते ऊंच भगवान कहा जाता है। सर्व का दु:ख हर्ता, सुख कर्ता कहा जाता है। अभी तुमको सुख का रास्ता बता रहे हैं।

- ईश्वर मोस्ट लवली है तब तो उनको सभी याद करते हैं। तो तुम्हारा आपस में बहुत प्यार होना चाहिए।

- जैसे बाप में पवित्रता, सुख, प्रेम आदि सब हैं, तुमको भी बनना है। नहीं तो ऊंच पद पा नहीं सकते।